तेल और प्राकृतिक गैस के भंडारों का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण

5538. **श्री संघ प्रिय गौतम** : क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने 1994 के दौरान देश में तेल और प्राकृतिक गैस के भण्डारों का पता लगाने के लिए सरकारी और निजी स्तर पर सर्वेक्षण कराये थे ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उस पर कितनी धनराशि खर्च की गई ;

(ग) राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार किन-किन स्थानों पर तेल और प्राकृतिक गैस के भंडार होने की सम्भावना का पता चला है ; और

(घ) इनकी खुदाई के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और सरकार द्वारा किन-किन निजी कम्पनियों को खुदाई के लिए ठेका दिये जाने की स्वीकृति दी गई है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) जी हां ।

(ख) 1994–95 के दौरान ओ०एन जी०सी० भूस्थित क्षेत्रों में 31521 एस एल के द्विआयामी और 1003 एस एस के त्रिआयामी भूकम्पीय आंकड़े तथा अपतटीय क्षेत्रों में 17152 एल के द्विआयामी और 22903 एल के त्रिआयामी भूकम्पीय आंकड़े अर्जित किए । इसके अतिरिक्त भूस्थित क्षेत्रों में संविदात्मक पार्टियों द्वारा 581 जी एल के द्विआयामी भकम्पीय आंकड़े अर्जित किए गए ।

इसी अवधि के दौरान ओ आई एल ने 1865.30 एस एल के एम और 746.45 जी एल के एम द्विआयामी और 151.21 एस क्यू के एम त्रिआयामी सर्वेक्षण किए हैं ।

अन्वेषण बोली के चौथे दौर के अंतर्गत भी निजी पार्टियों द्वारा अब तक 562 एल के एम भूकम्पीय आंकड़े अर्जित किए गए हैं ।

जहां तक इन सर्वेक्षणों पर किए गए व्यय का संबंध है, वित्तीय वर्ष 1994–95 के लेखों का ओ०एन०जी०सी में संकलन किया जा रहा है ओ०आई०एल० ने उपर्युक्त सर्वेक्षणों पर लगभग 26.50 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च की है ।

(ग) वह राज्य और संभावनाएं/क्षेत्र/स्थान संलग्न विवरण–I में दिए गए हैं । (नीचे देखिए) जहां तेल/गैस भंडारों के होने की संभावना है ।

(घ) अन्वेषण और उत्पादन क्रिया-कलाप एक सतत प्रक्रिया है । यह कंपनियों द्वारा बनाई गई वार्षिक योजनाओं के अनुसार संचालित की जाती है । उन निजी कंपनियों के नाम संलग्न विवरण–II में दिए गए हैं जिन्हें अन्वेषण और विकास वेधन के लिए ठेके दिए गए हैं ।

विवरण–I

राज्य तथा संभावनायें/क्षेत्र/स्थान जहां तेल/गैस भण्डारों की संभावना है

राज्य	संभावना/क्षेत्र/स्थान
मेघालय	अंगरतली,
असम	भैरबी, चकीमुख, चांदीपुर, हरुपानी, हर्तीपाती, मालागाद, पटनीमार, सजरई, सटक, सुफायम, तेलीहल, सिकीपोर, भुवन्दर, छतचुरा दिबरूगढ एवं तनसुखिया जिलों में उप भूतल संरचनायें ।
नागालैण्ड	मोल्ड तसोरी, सिंगफल, तिरु हिल्स, तीतबार ईस्ट, तोफिजू, भटयंग, होजूकेंगा,
त्रिपुरा	अत्तरमरु, बक्सिर, अम्पई, लंगई, मचलीथुम, रामनगर, सोनामुरु और तुलसुरा,
पश्चिम बंगाल	दुर्गापुर (कोल बैड मेथन के लिए), शान्तिपुर,
गुजरात	असमाली, लम्मा, अरिथा, मोजितरा, भाडु, वटरक, डेडन, वडासमा,
मध्य प्रदेश	सिंहकी
आन्ध्र प्रदेश	मंडपेट्टा वेस्ट, गोकर्णापुरम, अंधवोल्लम, इसुकापुडी, कांडीकुप्पा, सालापक्का, किसनपल्ली–वेस्ट, रंग पुरम, मोरी के पश्चिम में, कोतापरु गोदी, पुलेतीकुरु, सीतारामपुरम, मुलापरु, सरेपल्ल, लक्ष्मीपुरम, मंगिनापुडु, लाम्बलैपडु, मेडवापटनम, सत्यवोल, नागवल्लीपलम और सिद्धावरम, [illegible] राखीन्तपली, मुल्कीपल्ल, लंकापलेम
तमिलनाडु	छिदाम्बरम्, पनरुति, प्रोस्पेक्ट-5, नेवेली, हरीहरनमुडल, पुडी, थिरुवीद मरुदुर, रेडायकुडी, कोडियाकरई, किल्लावलुर, मुलावीसल, कानन्दनगुडी, जयनकोंडम मलूर, वेटीकुड, पनदनालुर
के०जी० अपतटीय कावेरी अपतटीय बंबई (अपतटीय)	जीएस–28, जीएस–24, जीएस–21–एए, जीडी–एए, जीडी–बीबी पीवई–6, केएच–5, पीएच–7, सीडीडब्ल्यू–1ए, पीएच–18, केवे–1, सी–43, सी–45, बीएचई–बी, बी–24, डब्ल्यूओ–19, डब्ल्यूओ–21, सी–39, डी–5, डीडब्ल्यूओ–1, बी–23ए, बी–27ए, केएस–बी, केके–बी, केके–सी, केवे–ए ईए, जीके–20–ए, जीके–27, एम–1, अमरेट, आर–62, आर–96, क्वीलोन, सीएच–3, डब्ल्यूओ–18, बी–एचडब्ल्यू

टिप्पणी : के जी तथा कावेरी अपतटीय क्षेत्रों के अनेक संभावना क्षेत्र बोली के विभिन्न दौरों में प्रस्तावित/प्रस्तावाधीन ब्लाकों के क्षेत्रों में पड़ते हैं ।

विवरण–II

1. उन ब्लाकों का ब्यौरा जिन्हें देने के लिए संविदाएं हस्ताक्षरित/अनुमोदित कर दी गई हैं

क्र. सं.	ब्लाक	कंपनी/परिसंघ का नाम	अभ्युक्तियां
क.	वे ब्लाक जिनके लिए संविदाओं पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं :		
1.	केजी–ओएस–90/1	आल्बियन इंडिया, इंक यू०एस०ए० काप्लेक्स (इंडिया) लि० आस्ट्रेलिया, नाइको रीसोर्सीज, कनाडा एच०ओ०र०सी०, इंडिया	अन्वेषण बोली के के चौथे चक्र के ब्लाक
2.	जीएन–ओएन–90/3	एचओईसी इंडिया, मफतलाल इंडस्ट्रीज इंडिया	
3.	सीवाई–ओएस–90/1	वाल्को एनर्जी इंक, यू०एस०ए०, टाटा पैट्रोडाइन प्रा० लि० इंडिया, एच०ओ०आई०सी० इंडिया	
ख.	संविदा देने के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित ब्लाक		
1.	आरेज–ओएन–90/1	मैसर्स शैल, नीदरलैंड्स	अन्वेषण बोली के चौथे चक्र के ब्लाक
2.	जीके–ओएन–90/2	मैसर्स पैन एनर्जी रीसोर्सीज, यू०एस०ए० ओकलड आयल कम्पनी, यू०एस०ए०, स्टर्लिंग रीसोर्सिज आस्ट्रेलिया, पैन पेसीफिक पेट्रोलियम, आस्ट्रेलिया, और ट्रांस एशिया कन्सल्टेंट्स, इंडिया	
3.	जेके–ओएस/5	रेक्सवुड ओकलैंड, यू०एस०ए०	अन्वेषण बोली
4.	बीबी–ओएस–5	एस्सार आयल लि०, इंडिया	पांचवे चक्र के ब्लाक
5.	आरजे–ओएन–90/4	एस्सार आयल लि०, इंडिया	
6.	आरजे–ओएन–90/5	एस्सार आयल लि०, इंडिया	
7.	केजी–ओएस/6	कमांड पेट्रोलियम आस्ट्रेलिया, वीडियोकान इंवस्ट्रीज, इंडिया	
8.	सीवाई–ओएस/2	एच०ओ०ई०सी,० इंडिया, वाल्को एनर्जी, यू०एस०ए०, टाटा पैट्रोडाइन इंडिया ।	–
			–

2. उन मध्यमकारी और लघु आकारी क्षेत्रों का ब्यौरा जिन्हें देने के लिए संविदाएं हस्ताक्षरित/अनुमोदित की जा चुकी हैं ।

क्रम संख्या	क्षेत्र	कंपनी/परिसंघ का नाम
	क. वे क्षेत्र जिनके लिए सुविदाओं पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं	
	(1) मध्यम आकार वाले क्षेत्र	
1.	मध्य और दक्षिणी तापती मुक्ता–पन्ना	एनरान, यू०एस०ए०–रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडिया
2.	राव्वा	कमांड पेट्रोलियम, आस्ट्रेलिया–वीडियोकान, इंडिया,–मारुबेनी, जापान
	(2) लघु आकार वाले क्षेत्र	
1.	हाजिरा, कैम्बे, भान्डुत, मातार और साबरमती	गुजरात राज्य पेट्रोरसायन कारपोरेशन लिमिटेड (जी०एस० पी०सी०एल०), अहमदाबाद
2.	इंदरौरा, बकरोल और लोहार	सेजल एक्सप्लोरेशन टेक्नालाजी लि०, नई दिल्ली
3.	ढोलका, बावेल	लार्सेन एण्ड टूब्रो, बम्बई-ओएनजी टेकनालाजीज, यू०एस०ए०
4.	बाग्रोला	इंटरलिंक पेट्रोलियम, बड़ौदा
5.	अमजोल	एचब्ओ०ईब्सीब्, बड़ौदा–जी०एल०पी०सी०एलब्, अहमदाबाद, पेट्रोलाइन इंक यू.एस.ए.
	(ख) संविदा देने के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित मध्यम आकार वाले और लघु आकार वाले क्षेत्र	
	(1) मध्य आकार वाले क्षेत्र	
1.	खरसांग	कम्पानी ज्योफिनान्ससीयरे, फ्रांस एनप्रो सर्विसज, इंडिया
	(2) लघु आकार वाल क्षेत्र	
1.	पी.वाई–1	हिन्दुस्तान आयल एक्सप्लोरेशन कंपनी, (एच०ओ०ई०सी०), बड़ौदा–मोस्बोचर एनर्जी कं० यू०एस०ए०–पेट्रोडाइन इंक, यू०एस०ए०

Unauthorised LPG connections in Uttar Pradesh

5539. CHAUDHARY HARMOHAN SINGH: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) the number of unauthorised LPG connections detected in Uttar Pradesh during the last three years, year-wise;

(b) whether Government have regularised such unauthorised connec tions; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) The number of unauthorised connections detected in